राजस्थान पत्रिका, पृष्ठ नं: 02, दिनांक: 17.09.2024

पीएम मोदी ने री-इन्वेस्ट मीट में कहा- भारत सही मायनों में विस्तार व बेहतर रिटर्न की गारंटी

पूरी दुनिया मानती है भारत 21वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ दावेदार : मोदी

सौर क्रांति को बताया सु[illegible]रा अध्याय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की विविधता, पैमाने, क्षमता, संभावना और प्रदर्शन सभी असाधारण हैं। पूरे विश्व का यह मानना है कि भारत 21वीं सदी का सबसे बेहतर दावेदार है। भारत सही मायनों में विस्तार और बेहतर रिटर्न की गारंटी है। मोदी ने सोमवार को यह बातें गुजरात के गांधीनगर में चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इनवेस्ट मीट) का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि जब 21वीं सदी का इतिहास लिखा जाएगा, तब भारत की सौर क्रांति स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। भारत आने वाले समय में 12, [illegible] करोड़ रुपए की लागत के साथ 31,000 मेगावाट जलविद्युत उत्पादन की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 60 वर्षों के बाद जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सत्ता की बागडोर सौंपी है। यही दर्शाता है कि 140 करोड़ देशवासियों को सरकार पर भरोसा है। केन्द्र सरकार के पिछले 10 वर्षों के सुशासन में देश के युवाओं- महिलाओं की आकांक्षाओं को जो पंख मिले हैं, उन्हें इस तीसरी टर्म से नई दिशा की उड़ान के लिए प्रेरक बल मिलेगा। उन्होंने अहमदाबाद-भुज के बीच नमो भारत रैपिड रेल (वंदे मेट्रो) की शुरुआत कराई। साथ ही देश में 6 वंदे भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई।

इन राज्यों के सीएम रहे मौजूद : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री- एन चंद्र बाबू नायडू, राजस्थान के मुख्यमंत्री- भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री-मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री-विष्णु देव साय, गोवा के मुख्यमंत्री -डॉ प्रमोद सावंत मौजूद रहे।

गांधीनगर के सेक्टर-1 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाते पीएम मोदी। अब अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन से आवागमन हो सकेगा।

री-इन्वेस्ट मीट के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते पीएम नरेन्द्र मोदी

हजार वर्षों के लिए आधार तैयार कर रहा

पीएम ने कहा कि आज का भारत न केवल आज के लिए बल्कि अगले हजार वर्षों के लिए एक आधार तैयार कर रहा है। भारत का लक्ष्य केवल शीर्ष पर पहुंचना नहीं है, बल्कि शीर्ष पर बने रहने के लिए स्वयं को तैयार करना है। पीएम ने कहा कि भारत 2047 तक स्वयं को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपनी ऊर्जा जरूरतों और आवश्यकताओं से अच्छी तरह परिचित है। भारत पेरिस में तय जलवायु प्रतिबद्धताओं को निर्धारित समय-सीमा से 9 वर्ष पहले हासिल करने वाला पहला जी-20 देश है। 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने हरित बदलाव को जन आंदोलन में बदल दिया है।

8 हजार करोड़ के विकास की सौगात

सबसे अंतिम कार्यक्रम में उन्होंने अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान पर आयोजित जनसभा के दौरान शहर व देश के लोगों को 8 हजार करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। यहां पर उन्होंने विपक्ष पर निशाना भी साधा। साथ ही तीसरी पारी के शुरूआती 100 दिन का दिया हिसाब दिया।

ग्रीन फ्यूचर एवं नेट जीरो फैंसी शब्द नहीं

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी की उपस्थिति में मोदी ने कहा कि हमारे लिए 'ग्रीन फ्यूचर' और 'नेट जीरो' कोई फैंसी शब्द नहीं हैं बल्कि यह भारत की जरूरत और कमिटमेंट है। यह भारत के हर राज्य सरकार का भी कमिटमेंट है।

हरित परिवर्तन में निवेश का आमंत्रण

प्रधानमंत्री ने न केवल ऊर्जा उत्पादन बल्कि विनिर्माण क्षेत्र में भी निवेशकों के लिए जबरदस्त अवसरों के बारे में चर्चा की। भारत के हरित परिवर्तन में निवेश को आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत पूर्ण रूप से मेड इन इंडिया समाधानों के लिए प्रयास कर रहा है और अनेक संभावनाओं का सृजन कर रहा है।

अहमदाबाद से गांधीनगर के बीच दौड़ी मेट्रो

इससे पहले गुजरात दौरे के दूसरे दिन मोदी ने चार कार्यक्रमों में शिरकत की। इसके तहत उन्होंने अहमदाबाद मेट्रो ट्रेन के फेज-2 का शुभारंभ किया। उन्होंने गांधीनगर के सेक्टर 1 मेट्रो स्टेशन पहुंचकर अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो रूट को हरी झंडी दिखाई। साथ ही उन्होंने मेट्रो ट्रेन में सेक्टर-1 मेट्रो स्टेशन से गिफ्ट सिटी तक का सफर भी किया।

गुजरात की इन बातों के लिए सराहना

गांधीनगर@पत्रिका. मोदी ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि गुजरात जिस श्वेत क्रांति, मधुर (शहद) क्रांति, सौर क्रांति की शुरुआत का साक्षी रहा है, वह अब चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो का आयोजन में भागीदारी कर रहा है। गुजरात भारत का पहला राज्य था जिसने अपनी सौर नीति बनाई। इसके बाद सौर ऊर्जा पर राष्ट्रीय नीतियां बनाई गईं। जलवायु मामलों से संबंधित मंत्रालय स्थापित करने में गुजरात विश्व भर में अग्रणी राज्यों में से एक है। गुजरात ने तब से सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना शुरू कर दिया था, जब दुनिया ने इसके बारे में सोचा भी नहीं था।